विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 06-12-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

द्विगु समास - परिभाषा, उदाहरण, सूत्र, अर्थ -

द्विगु समास की परिभाषा

'संख्यापूर्वो द्विगुः' - जिस समास का पहला पद संख्यावाची और दूसरा पद कोई संज्ञा हो अर्थात द्विगु समास का पहला पद संख्यावाचक होता है और सम्पूर्ण पद समूह का बोध कराता है।

द्विगु समास के भेद

‘तद्धितार्थोत्तर पद समाहारे च’ द्विगु समास तीन प्रकार में होते हैं- तद्धितार्थ द्विगु, उत्तरपद द्विगु और समाहार द्विगु। तद्धितार्थ द्विगु के अन्त में तद्धित रहता है; संख्यावाची विशेषण विशेष्य के बाद कोई पद आए तो उत्तरपद द्विगु होता है और समूह का अर्थ प्रकट हो तो समाहार द्विगु होता है।

द्विगु समास के उदाहरण

समास-विग्रह समस्तपद हिन्दी अर्थ

द्वयोः मात्रोः अपत्यम् पुमान् द्वैमातुरः दो माताओं का पुत्र

घण्णाम् मातृणाम् अपत्यम् युमान् षण्मातुरः छह माताओं का पुत्र

पञ्चानां जनानां भावः कर्म न पाञ्चजन्यम्

पाँच जनों का होना

पञ्च गावः धनं यस्य सः पञ्यगवधनः पाँच गायों रूप धनवाला

सप्त हस्ताः प्रमाणं यस्य सः सप्तहस्तप्रमाणः

सात हाथों का प्रमाणवाला

दस सहस्राणि सेना यस्य सः दशसहस्रसेनः दस हजार सेनाओं वाला

त्रयाणां लोकानां समाहारः त्रिलोक तीनों लोक

चतुर्णा युगानां समाहारः चतुर्युगी चार युगों का समूह

त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभुवनम् तीन भुवनों का समाहार

पञ्चानां वटानां समाहारः पञ्चवटी पाँच वटों का समाहार

सप्तानां शतानां समाहारः सप्तशती सात सैकड़ों का समाहार

अष्टानाम् अध्यायानां समाहारः अष्टाध्यायी आठ अध्यायों का समाहार

त्रयाणा फलानां समाहारः त्रिफला तीन फलों का समाहार

पञ्चानां पात्राणां समाहारः पञ्चपायम् पाँच पात्रों का समाहार

सप्तानाम् अनाम् समाहारः सप्ताहःसात दिनों का समाहार

दशानाम् आननानां समाहारः दशाननः दस आननों का समाहार

('रावण' के अर्थ में बहुवीहि समास होगा।)

पंचानां शतानां समाहारः पंचशतीपाँच सौओं का समाहार

तिसृणां गंगानाम् समाहारःत्रिगंगम् तीन गंगाओं का